पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

BMC का रण : 227 सीटों पर भाजपा और शिवसेना तैयार

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 45 ■ अंक : 249 ■ बुधवार 31 दिसंबर 2025 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

मनपा चुनाव में बड़ी उलटफेर

- कुल 795 नामांकन पत्र दाखिल
- युवाओं व नए चेहरों ने भरा फार्म
- टीओके, भाजपा, शिवसेना में बड़ी बगावत
- आज होगी नामांकन पत्रों की जांच
- 2 जनवरी को चुनाव की पिक्चर होगी साफ

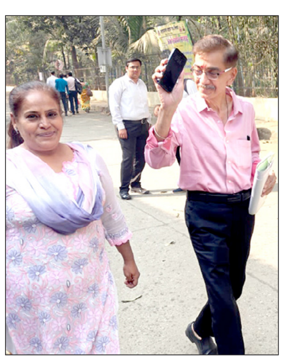

उल्हासनगर। उल्हासनगर महानगरपालिका के 15 जनवरी 2026 को होने जा रहे चुनाव में आज एक ही दिन में रिकार्ड तोड़ 695 नामांकन पत्र दाखिल किया है। ऐसे में अब कुल 795 उम्मीदवारों ने फॉर्म भरे हैं। आज 31 दिसंबर को फार्म की जांच होगी और उम्मीदवारों की अंतिम यादी घोषित की जाएगी। इनमें कई उम्मीदवारों के फॉर्म रद्द भी हो सकते हैं। 2 जनवरी 2026 को नामांकन पत्र वापस लेने की अंतिम तिथि है इसी दिन यह तय हो जाएगा कि कौन इस चुनावी मैदान में डटे रहता है। मंगलवार को सभी प्रभागों में भारी पुलिस बंदोबस्त के बीच उम्मीदवारी दाखिल की गई। इस चुनाव में बड़ी उलटफेर देखने को मिल रही है। सबसे ज्यादा बगावत भाजपा, टीओके व शिवसेना में देखने को मिल रही है। कई बड़े व नए चेहरे इस चुनाव में देखने को मिलेंगे।

पैनल 5 में कालानी-आयलानी आमने सामने

विधानसभा चुनाव ही नहीं इस बार मनपा चुनाव में भी आयलानी व कालानी सामने देखने को मिलेंगे। पैनल 5 से विधायक कुमार आयलानी की पत्नी मीना आयलानी व पप्पू कालानी की पुत्री सीमा कालानी एक ही पैनल से आमने-सामने चुनाव लड़ रही है।

राकांपा ने उतारे 55 उम्मीदवार

राकांपा जिलाध्यक्ष भारत गंगोत्री जिन्होंने पैनल 17 से फॉर्म भरा है उनका साथ रिंकी अनिल धामेजानी, सोनिया जग्यासी, शानू क्षीरसाठ पैनल को मजबूत बनाए हुए हैं। श्री गंगोत्री ने बताया कि शहर की जनता भाजपा व शिवसेना की मैच फिक्सींग वाली रणनीति जान गई है इसलिए हमने शहर में अपने 55 से ज्यादा उम्मीदवार उतारे हैं जो पूरी तरह सक्षम हैं।

बागी उम्मीदवारों ने भरा फॉर्म

शिवसेना के युवा नेता बाला श्रीखंडे ने भाजपा से पैनल 1 से फॉर्म भरा है, पैनल 15 से भाजपा के नेता निलेश बोबडे ने राकांपा से अपना पैनल उतारा है, टीओके से दिनेश लहरानी ने भाजपा से 19 में फॉर्म भरा है, पैनल 9 से भाजपा युवा नेता विकी इसरानी और होमनारायण वर्मा ने राकांपा से फॉर्म भरा है, पैनल 12 में साई पक्ष के बागी बाबू मंगतानी ने राकांपा से फॉर्म भरा है। ऐसे कई अन्य बागी उम्मीदवारों ने अपक्ष के रूप में नामांकन पत्र दाखिल किया है।

किसके-कितने उम्मीदवार?

भाजपा	78
शिवसेना	35
टीओके	32
साई पक्ष	11
राकांपा	55
उबाठा	44
कांग्रेस	20
मनसे	14

यह पैनल गोल मैदान परिसर में है। यहां पर दिलचस्प मुकाबला देखने को मिल सकता है। यहां शिवसेना से सीमा कालानी, विक्की भुल्लर, निक्की छापरू, दिलीप जग्यासी और भाजपा से राजू जग्यासी, मीना आयलानी, गुंजन साधनानी, नंद छापरू उम्मीदवार होंगे।

पैनल 6 से दो पूर्व नगरसेवकों ने नहीं भरा फॉर्म

भाजपा के चार पूर्व नगरसेवकों की बगावत का असर इस बार पैनल 6 के चुनाव में देखने को मिल रहा है। यहां पर दो पूर्व नगरसेवक राजेश टेकचंदानी व रेखा ठाकुर दोनों ने भाजपा का फॉर्म भरने से इंकार कर दिया है। उनकी जगह पर भाजपा ने भूमि मनोज नाथानी, आयशा वधरिया, हेमा पिंजानी, दीपक छतलानी को उतारा है। वहीं उन्हें कड़ी टक्कर देने शिवसेना से महेश सुखरामानी, जया माखीजा, विक्की सिंह, प्रेरणा माखीजानी मैदान में उतरे हैं। यहां पर राकांपा के भी उम्मीदवार मैदान में उतरे हैं।

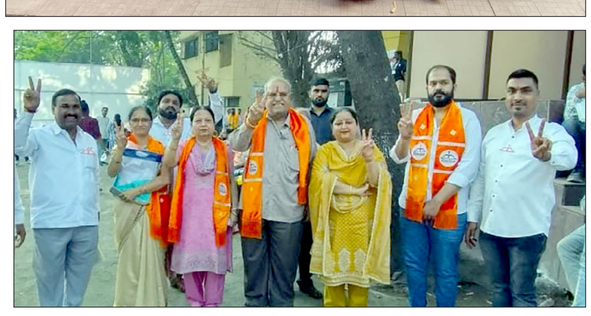

आज आखिरी दिन फार्म भरने वाले उम्मीदवार

पैनल 1
भाजपा से अर्चना करणकाले, सुरेखा भरत पारधी, भावना केशव ओवलेकर व राजेंद्र बाला श्रीखंडे

पैनल 2
भाजपा से हरिश कनोजिया, मीना कौर अजितसिंग लबाना, संध्या सतीष मराठे, भारत शिवनानी, **शिवसेना** से जमनू पुरस्वानी, अनुष्का पुरस्वानी, कविता चार्ली, होशियार सिंह
राकांपा से नितेश कुमार चैनानी

पैनल 3
भाजपा से आशा नाना बिराडे, संजय मुरलीधर घुगे, जूही प्रशांत खुशलानी, कुलविंदर सिंह
शिवसेना से राजेंद्र सिंह भुल्लर महाराज, श्रीमती भुल्लर

पैनल 4
भाजपा से कपिल अडसुल, सुरेखा आव्हाड, शोभा जाधव, मनीष हिंगोरानी

पैनल 5
शिवसेना से सीमा कालानी, विक्की भुल्लर, निक्की छापरू, दिलीप जग्यासी
भाजपा से राजू जग्यासी, मीना आयलानी, गुंजन साधनानी, नंद छापरू

पैनल 6
शिवसेना से महेश सुखरामानी, जया माखीजा, विक्की सिंह, प्रेरणा माखीजानी
भाजपा से भूमि मनोज नाथानी, आयशा वधरिया, हेमा पिंजानी, दीपक छतलानी

पैनल 7
शिवसेना से मयूर लहाने, अश्विनी निकम, दुर्गा प्रसाद राय,
भाजपा से कविता गणपत एडके, नंदिनी गजानन बामनकर, लक्ष्मी सुरेंद्र सिंह, सुचित्रा संतोष यादव

पैनल 8
भाजपा से छाया अडसुल, ज्योति प्रशांत पाटील, संजय सिंह, राजेश वधरिया
राकांपा से सीमा अविनाश बीरारे, यादव

पैनल 9
शिवसेना से नरेंद्र कुमारी ठाकुर, आकाश चक्रवर्ती, आशा इदनानी
राकांपा से प्रियंका विकी इसरानी, ओमनारायण वर्मा, शर्मा
भाजपा से करण रघुवंशी, दीपा पंजाबी, पूनम अजित गुप्ता

पैनल 10
शिवसेना से राजेंद्र चौधरी
भाजपा से शुभांगी बेहनवाल, कोमल लांडे, भावना गिडवानी, दीपक पांडे

पैनल 11
साई पक्ष से जीवन ईदनानी, इंदिरा उदासी, जग्यासी, किरण सुनील कलवा सिंह
भाजपा से प्रीती विनोद माखीजा, रवि जग्यासी, कविता लाल पंजाबी, प्रवीण किशनानी

पैनल 12
भाजपा से राखी दीपक कजानिया, कैलाश म्हात्रे, ज्योति पिंटो बठिजा, टोनी सीरवानी
टीओके से मालती करोतिया, सविता तोरणे रगडे, हिना खान, गजानन शिलके

पैनल 13
भाजपा से वंदना डोंगरे, एड. सुवर्णा सगले, लता पगारे, सुषमा घाग
शिवसेना से प्रदीप गोडसे, ज्योत्सना सुरेश जाधव, कांता विलास पवार, सुरेश सोनकांबले

पैनल 14
भाजपा से डॉ. संजीवनी कांबले, नम्रता तरे, शिला सुभाष मनसुलकर, उल्हास फलके
शिवसेना से लीलाबाई आशान, अरुण आशान, शेखर यादव, सोनू चानपुर

पैनल 15
भाजपा से गौरव भालेराव, शीतल चंद्रकांत बोडारे, वसुधरा धनंजय बोडारे, धनंजय बोडारे
राकांपा से निलेश बोबडे, दिप्ती उम्हाले, सुरज कारकर, वसीटा
शिवसेना से साक्षी सुर्वे, काजल, जग्यासी, इंदिरा पाटील

पैनल 16
साई पक्ष से राजा गेमनानी, दीप्ति नवीन दुधानी, भूमिका आगीचा, ज्योति रमेश चैनानी
भाजपा से पवन वाघ, अनंता फुलचंदानी, कंचन लुंड, शेरी लुंड

पैनल 17
राकांपा से भारत गंगोत्री, रिंकी अनिल धामेजानी, सोनिया जग्यासी, शानू क्षीरसाठ
शिवसेना से निलम चांडवानी, सुमन सचदेव, राजू वारिंगे, रमेश चव्हाण
भाजपा से रविंद्र परमार, नेनसी उदासी, सुहाना जेसवानी, अमर लुंड

पैनल 18
भाजपा से अश्विनी क्षीरसाठ, वंदना वसंत रहाने, अरविंद गोरेराव, राजेश वानखेडे
कांग्रेस से अंजली सालवे, पीआरपी से अक्षता प्रमोद टाले, प्रमोद टाले, शांताराम निकम, जय गायकवाड़

पैनल 19
शिवसेना से किशोर वनवारी, मीना सोंडे, युवराज विजू पाटील, मीनाक्षी रवि पाटील
भाजपा से विपुल मयेकर, कोमल दिनेश लहरानी, एड. रत्नमाला दुर्गे, राजू गोपालानी

पैनल 20
शिवसेना से विजू पाटील, कविता सुरेश गायकवाड,
भाजपा से सुनीता काकडे, ललिता प्रधान पाटील, प्रधान पाटील, उबाठा से जयश्री जानू मानकर, करिश्मा चोलेकर, सागर कैलाश तेजी

क्या अंबरनाथ में उप नगराध्यक्ष पद के लिए भाजपा-कांग्रेस में युति होगी

- राज्य में जो नहीं हुआ, वह अंबरनाथ में होगा

यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ में सत्ता पाने के लिए क्या ऐसी युति दो पक्षों के बीच होने वाली है, जो पूरे देश में अथवा राज्य में नहीं हुई है. ऐसा हो सकता है. सत्ता पाने के लिए कुछ भी हो सकता है. नगर परिषद उप नगराध्यक्ष, विषय समिति एवं को-आप्ट नगरसेवकों के चुनाव में बाजी मारने के लिए भाजपा के 14 और कांग्रेस के 12 नगरसेवक युति कर सकते हैं. भाजपा-कांग्रेस के साथ राकांपा (अ.प.) के 4 नगरसेवक जोड़ लें तो कुल 30 नगरसेवक हो जाएंगे. जबकि नपा में कुल 59 नगरसेवक हैं. 30 का आंकड़ा बहुमत के लिए है. शिवसेना के पास 27 नगरसेवक हैं. उनको दो निर्दलीय नगरसेवकों ने समर्थन दिया भी तो 29 सदस्य हो रहे हैं. शिवसेना से राजेंद्र वालेकर, अब्दुल शेख, विकास हेमराज एवं अन्य महिला नगरसेवकों के नाम सामने आ रहे हैं, तो दूसरी ओर कांग्रेस के शहराध्यक्ष एवं कांग्रेस नगरसेवक प्रदीप पाटिल का नाम उपनगराध्यक्ष के लिए चर्चा में है. लेकिन वह ये पद पाएंगे कैसे उनके और भाजपा नेताओं के बीच चर्चा चल रही है. बातचीत हो रही है, ऐसी हमारे पास विश्वसनीय खबर है. और ये बातचीत आखरी दौर में है. अगर भाजपा कांग्रेस का आपस में जुड़ गया तो ये कहा जा सकता है कि देश में या राज्य में ऐसा समीकरण नहीं हुआ है जोकि अंबरनाथ से शुरू होगा. अगर भाजपा-शिवसेना के वरिष्ठ नेता सर जोड़कर बैठें तो ये समीकरण बदल भी सकता है. राजनीति में कुछ भी हो सकता है.

अंबरनाथ में टू-व्हीलर चोरी

अंबरनाथ. शहर में टू-व्हीलर चोरी की घटनाएं बहुत बढ़ गई हैं और चोर अब सीधे तौर पर रेजिडेंशियल सोसाइटियों को निशाना बना रहे हैं। ईस्ट और वेस्ट दोनों इलाकों में स्पोर्ट्स बाइक और एक्टिवा चोरी होने से लोगों में चिंता का माहौल है। वेस्ट में बेथेल चर्च के पीछे पनवेलकर कैंपस सोसाइटी में रहने वाले इंजीनियर रोहित रमेश तेलंगे (29) ने अपनी स्पोर्ट्स बाइक सोसाइटी की पार्किंग में खड़ी की थी। इसी मौके का फायदा उठाकर कोई अनजान चोर बाइक चुरा ले गया। अंबरनाथ पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दूसरी ओर, अंबरनाथ ईस्ट के लोकनगरी इलाके में भी दिनदहाड़े चोरी की घटना हुई। तक्षशिला हाउसिंग सोसाइटी में रहने वाली अतिया अंसारी की एक्टिवा चोरी हो गई। वह रविवार को बाहर गई थीं। चोर ने इसी मौके का फायदा उठाया।

नपा ने स्वास्थ्यकर्मियों की अन्य विभाग में नियुक्ति क्यों की?

- अंबरनाथ के नवनिर्वाचित नगरसेवकों ने प्रशासन को झंझोड़ने शुरू किया
- विकास सोमेश्वर ने नपा प्रशासन को दिया निवेदन

अंबरनाथ. अंबरनाथ के नव निर्वाचित नगरसेवकों ने नपा प्रशासन द्वारा गत 10 वर्षों से दो रही ढीले कामकाज को झंझोड़ना शुरू कर दिया है. शहर पश्चिम वांद्रा पाड़ा शास्त्री नगर के शिवसेना नगरसेवक विकास सोमेश्वर ने मुख्याधिकारी को एक निवेदन देकर बताया है कि स्वास्थ्य विभाग में भर्ती किए सफाई कर्मचारियों को अतिक्रमण एवं अन्य विभाग में काम दिया गया है. इन कर्मचारियों को सफाई काम पर लगाया जाए तो पूरे शहर से गंदगी हट जाएगी. अगर ऐसा नहीं किया गया तो वह स्वतः इन कर्मचारियों को सफाई कार्य पर लगा देंगे. उन्होंने निवेदन में ये भी बताया है कि उनके प्रभाग, वार्ड वांद्रा पाड़ा, शास्त्री नगर में गंदगी का साम्राज्य है. यहां पर स्वच्छता कर्मचारियों की संख्या केवल 8 है. जबकि यहां पर 14 सफाई कर्मचारी होना चाहिए. कर्मचारियों की संख्या में वृध्दि करने की मांग उन्होंने की है. उन्होंने प्रशासन से ये भी प्रश्न किया है कि इन स्वच्छता कर्मचारियों की अन्य विभाग में क्यों नियुक्ति की गई है. शहर में डीडीटी पाउडर का छिड़काव भी नहीं किया जा रहा है. 15 अगस्त, 26 जनवरी को अथवा किसी मंत्री बड़े नेता के शहर में आने से पूर्व पाउडर का छिड़काव किया जाता है जबकु शहर में एवं उनके प्रभाग में रोजाना डीडीटी पाउडर का छिड़काव करने की मांग उन्होंने की है. विकास सोमेश्वर ने स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी से भेंट भी की है.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक उल्हास विकास

संपादकीय

सुप्रीम कोर्ट से जगी उम्मीद

कानून का उद्देश्य केवल अपराध को परिभाषित करना नहीं होता, बल्कि आमजन में यह विश्वास पैदा करना भी होता है कि न्याय सबके लिए समान है। जब यह विश्वास डगमगाने लगता है, तो व्यवस्था के विभिन्न पक्षों में से किसी एक की सजगता भी उम्मीद और राहत की राह दिखाने के लिए काफी होती है।

उन्नाव प्रकरण में भी कुछ ऐसा ही हुआ, जब सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को कुलदीप सिंह सेंगर की उम्रकैद की सजा को निलंबित करने के दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले पर रोक लगा दी। इसी के साथ यह भी स्पष्ट हो गया कि फिलहाल जेल से उसकी रिहाई नहीं हो पाएगी। शीर्ष अदालत का यह आदेश इसलिए अहम है, क्योंकि पीड़िता ने सेंगर की रिहाई पर अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर खतरे की आशंका जताई थी।यह मामला कितना गंभीर था कि इसे इस बात से समझा जा सकता है कि शीर्ष अदालत के आदेश पर ही इसे उत्तर प्रदेश की निचली अदालत से दिल्ली स्थानांतरित किया गया था। गौरतलब है कि उन्नाव प्रकरण की पीड़िता और उसके परिवार ने दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले के बाद सड़क पर धरना शुरू कर दिया था, लेकिन पुलिस ने उन्हें इसकी इजाजत नहीं दी। इसके बाद केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ) ने उच्च न्यायालय के फैसले को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी।

शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में कहा कि इस मामले में कानून से जुड़े महत्त्वपूर्ण प्रश्न सामने आए हैं, जिन पर विचार किया जाना आवश्यक है। यानी विशेष परिस्थितियों के मद्देनजर उच्च न्यायालय के फैसले पर रोक लगाई गई। इस आदेश से निश्चित तौर पर पीड़िता के पक्ष में न्याय की उम्मीद जगी है। इस मामले में सीबीआइ की भूमिका भी अहम रही। उसकी पहलकदमी और मजबूत दलीलों ने कुलदीप सेंगर की किसी भी संभावित रिहाई के रास्ते फिलहाल बंद कर दिए हैं।

भाजपा से निष्कासित सेंगर को पाक्सो के तहत दोषी ठहराया गया था। जब यह घटना हुई, उस समय वह विधायक था और आज भी इलाके में उसका खासा प्रभाव देखा जाता है। यही वजह है कि पीड़िता और उनके परिवार में अब भी भय का माहौल है।

विचार: जाति निर्धारण पर नई दृष्टि

हाल में शीर्ष अदालत के एक निर्णय ने खूब सुर्खियां बटोरीं और इसे एक ऐतिहासिक निर्णय के रूप में उल्लेखित किया गया। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जायमाल्य बागची की अध्यक्षता वाली एक पीठ ने पुडुचेरी की एक नाबालिग लड़की को उसकी मां की जाति के आधार पर अनुसूचित जाति (एससी) प्रमाण पत्र प्राप्त करने की अनुमति दी, भले ही उसके पिता गैर-अनुसूचित जाति समुदाय से थे।

पीठ ने टिप्पणी दी कि "मां की जाति उतनी ही महत्वपूर्ण पहचान है, जितनी पिता की।" इस संदर्भ में 5 मार्च, 1964 और 17 फरवरी, 2002 की राष्ट्रपति अधिसूचनाओं को केंद्रीय गृह मंत्रालय के दिशानिर्देशों के साथ पढ़ने पर यह पता चलता है कि जाति प्रमाण पत्र के लिए पात्रता मुख्य रूप से पिता की जाति और किसी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश के भीतर व्यक्ति की आवासीय स्थिति द्वारा निर्धारित की जाती है। उल्लेखनीय है कि याचिकाकर्ता ने यह दावा किया कि था कि उसका पति विवाह के बाद से ही उसके साथ उसके माता-पिता के घर रह रहा है। इस तर्क से इस तथ्य को सुस्पष्ट करना था कि उसके बच्चों ने कभी भी उच्च जाति के कथित सामाजिक लाभों का उपभोग नहीं किया।

इससे पूर्व देश की विभिन्न अदालतों ने मां की जाति के इस्तेमाल के संबंध में जब भी निर्णय दिए तो उसका मूलभूत आधार यह रहा कि क्या बच्चे उच्च जाति के सामाजिक एवं सांस्कृतिक लाभों से वंचित रहे। उच्चतम न्यायालय के इस निर्णय पर तमाम तर्क-वितर्क के साथ अनेक आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं। पहली आशंका तो यह है कि इससे आरक्षण व्यवस्था के लाभ के लिए एक नई परंपरा स्थापित हो जाएगी, जिसके दूरगामी नकारात्मक परिणाम सामने आ सकते हैं। इन आशंकाओं को एक सिरे से नकारा नहीं जा सकता, परंतु जैसा कि सर्वोच्च न्यायालय ने भी कहा, "हम कानून के प्रश्न को खुला रख रहे हैं। बदलते समय के साथ माता की जाति के आधार पर जाति प्रमाण पत्र क्यों जारी नहीं किया जाना चाहिए?" इस प्रश्न भरे वक्तव्य के गहरे निहितार्थ हैं, परंतु त्वरित रूप से निर्णय पर पहुंचने से पूर्व इस विषय पर एक गहन विमर्श की आवश्यकता है।

यह महत्वपूर्ण है कि यह निर्णय इस बात को सामान्य सिद्धांत घोषित नहीं करता कि जाति हमेशा मां के माध्यम से ही विरासत में मिल सकती है। न ही यह निर्णय यह सिद्ध करता है कि मात्र जाति के आधार पर भविष्य में सभी अनुसूचित जाति अथवा जनजाति प्रमाण पत्र दावों को बाध्यकारी रूप से स्वीकार किया जाता रहेगा।

इस मामले को अगर समझना है तो हमें उस निर्णय का भी विश्लेषण करना होगा, जो 20 जून, 2025 को बांबे उच्च न्यायालय के 'सुजल मंगला बिरवाडकर बनाम महाराष्ट्र राज्य और अन्य मामले' में न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और डा. नीला गोखले की खंडपीठ ने दिया था। चंभर (अनुसूचित जाति) श्रेणी के तहत जाति वैधता प्रमाण पत्र की मांग करने वाली एक छात्रा की याचिका को खारिज करते हुए कोर्ट ने कहा था, 'यद्यपि तलाक के बाद सुजल का पालन-पोषण उसकी माता ने किया, किंतु केवल अनुसूचित जाति के माता का होना जाति-आधारित लाभों का दावा करने के लिए पर्याप्त नहीं है।'

कोर्ट ने पाया कि याचिकाकर्ता का पालन-पोषण विशेषाधिकार प्राप्त वातावरण में हुआ था। उसने केंद्रीय विद्यालय में शिक्षा प्राप्त की और उसे सामाजिक रूप से किसी प्रकार की कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ा था। उसकी माता की आर्थिक स्थिति और परिवार की व्यावसायिक पृष्ठभूमि ने उसके दावे को और भी कमजोर कर दिया।

गौरतलब है कि छात्रा ने अपने पिता के गैर-अनुसूचित जाति 'हिंदू कृषि' समुदाय से होने के बावजूद अपनी माता की 'चंभर' जाति के आधार पर अनुसूचित जाति का दर्जा मांगा था। न्यायालय ने फैसला सुनाया कि जाति-आधारित आरक्षण के लिए केवल जन्म-आधारित संबंध ही नहीं, बल्कि वास्तविक भेदभाव का प्रमाण आवश्यक है। ठीक यही विचार दृष्टि फरवरी 2025 को बांबे उच्च न्यायालय के ही 'स्वानुभूति जीवराज जैन बनाम महाराष्ट्र राज्य' मामले में सामने आई। इस मामले में न्यायालय ने अपने फैसले को स्पष्ट करते हुए यह कहा था कि जातिगत वैधता विवादों से संबंधित कानून को स्पष्ट करते हुए विभिन्न जातियों के माता-पिता से जन्मे बच्चे, जिनमें से माता या पिता में से कोई एक अनुसूचित जाति से संबंधित हों, बिना यह साबित किए कि उन्हें उस जाति से संबंधित वास्तविक सामाजिक भेदभाव, नुकसान या अभाव का सामना करना पड़ा है,

अपने जीवन को प्रेम की मधुर धुन बनाइए!

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

बंगाल में SIR को लेकर बढ़ा विवाद

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर बिहार से सवालों का जो सिलसिला शुरू हुआ था, वह देश के अन्य राज्यों में भी नए-नए रूप में सामने आ रहा है। कभी इस प्रक्रिया में बूथ स्तरीय अधिकारियों पर काम के दबाव का मुद्दा उठाया जाता है, तो कभी लाखों लोगों के मसविदा सूची से बाहर हो जाने को लेकर आशंकाओं का नगाड़ा पीटा जा रहा है।

पश्चिम बंगाल में तो अब एक नई समस्या सामने आई है, जिसे चुनाव आयोग ने खुद स्वीकार करते हुए सूची में छूट गए मतदाताओं की सुनवाई की प्रक्रिया रोकने का निर्देश दिया है। आयोग का कहना है कि राज्य में वर्ष 2002 की मतदाता सूची के डिजिटलीकरण में तकनीकी समस्या की वजह से कई लोगों के नाम मसविदा सूची में शामिल नहीं हो पाए हैं और ऐसे लोगों के लिए फिलहाल व्यक्तिगत सुनवाई की जरूरत नहीं है।

इससे स्पष्ट है कि पुनरीक्षण की प्रक्रिया खामियों से रहित नहीं है। मगर, सवाल है कि इस तरह की व्यवस्थागत चूक से मतदाताओं को जो नाहक ही मानसिक और अन्य तरह की परेशानियां झेलनी पड़ रही हैं, उनकी भरपाई कैसे हो पाएगी? गौरतलब है कि विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया सबसे पहले बिहार से शुरू हुई थी। तब चुनाव आयोग की ओर से आधार कार्ड को पहचान पत्र के दस्तावेजों में शामिल न करने का मुद्दा प्रमुखता से उठा था।

आयोग का तर्क था कि आधार को नागरिकता का पहचान पत्र नहीं माना जा सकता, मगर बाद में सर्वोच्च न्यायालय

के निर्देश पर इसे पहचान के दस्तावेजों में शामिल कर दिया गया। इसके बावजूद बिहार में लाखों की संख्या में लोग मतदाता सूची से बाहर रह गए। यह सवाल अब दूसरे राज्यों में भी उठ रहा है, क्योंकि वहां भी बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम मसविदा सूची से हटाए गए हैं।

हालांकि, चुनाव आयोग की ओर से अंतिम सूची तैयार करने से पहले पात्र लोगों को अपना नाम जुड़वाने के लिए अवसर दिए जाएंगे, लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि बिहार की तरह दूसरे राज्यों में भी लाखों लोग सूची से बाहर रह सकते हैं। इसमें एक सवाल आयोग की विश्वसनीयता को लेकर भी उठ रहा है, जिस कारण पश्चिम बंगाल में तो सत्तारूढ़ दल ने अपने स्तर पर मतदाताओं की पात्रता को सत्यापित करने की मुहिम शुरू कर दी है।

पुनरीक्षण प्रक्रिया में अभी तक सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश में दो करोड़ 89 लाख लोगों के नाम मसविदा सूची से हटाए गए हैं। चुनाव आयोग का कहना है कि इनमें से पात्र लोगों को प्रक्रिया के अगले चरण में अपनी योग्यता साबित करने का मौका दिया जाएगा। मतदाताओं को सूची से बाहर रखने के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें समय पर जरूरी दस्तावेज प्रस्तुत न करना भी शामिल है।

मगर, यह सवाल भी महत्त्वपूर्ण है कि अगर कोई मतदाता पात्र होने के बावजूद किन्हीं कारणों से संबंधित दस्तावेज जमा नहीं करा पाता है, तो क्या उसका मताधिकार खत्म हो जाएगा? और अगर उसके पास मत देने का अधिकार नहीं रहेगा, तो स्वाभाविक है कि देर-सवेर उसकी नागरिकता पर भी सवाल उठेंगे और उसका भविष्य खतरे में पड़ जाएगा।

अगर ऐसे लोगों की संख्या लाखों में होगी, तो समस्या और भी जटिल हो सकती है। इसलिए चुनाव आयोग की यह प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए कि कोई भी पात्र व्यक्ति मतदान के अधिकार से वंचित न हो। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि पुनरीक्षण की प्रक्रिया पारदर्शी एवं निष्पक्ष हो।

महीने भर में दूसरी बार मरकर बाहर आया दुर्लभ जीव

समंदर की गहराइयों में ऐसे कई जीव छिपे हैं, जिनका इंसानों से सामना होना लगभग नामुमकिन माना जाता है. ऐसा ही एक जीव है

जरा हट के

'मेगामाउथ शार्क', जिसे दुनिया की सबसे कम दिखने वाली शार्क प्रजातियों में गिना जाता है. लेकिन हाल ही में पेरू के उत्तरी तट पर इस रहस्यमयी विशालकाय जीव का शव मिलने से समुद्री विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों के बीच हड़कंप मच गया है. चौंकाने वाली बात यह है कि एक महीने के भीतर पेरू के इसी क्षेत्र में इस दुर्लभ शार्क के मिलने की यह दूसरी घटना है. वैज्ञानिक भी हैरान हैं कि आखिर यह अनहोनी हुई कैसे? मेगाचस्मा पेलाजियस नाम के इस विशाल शार्क को पियाउरा क्षेत्र के यासिला कस्बे और प्लाया गैवियोटास के बीच रेतीले तट पर मृत पाया गया.

यह शार्क लगभग 14 फीट 8 इंच लंबा था. पेरू मरीन इंस्टीट्यूट के एक्सपर्ट ने पुष्टि की है कि यह

दुर्लभ मेगामाउथ शार्क ही है. आपको जानकर हैरानी होगी कि इस प्रजाति की पहचान होने के बाद से अब तक पूरी दुनिया में इसे 300 से भी कम बार देखा गया है. यह शार्क ऐसे दुर्गम तटीय क्षेत्र में पाया गया, जहां ऊंची चट्टानें और संकरी बीचेस हैं, जिसके कारण इस तक पहुंचना भी चुनौतीपूर्ण था. विशेषज्ञों ने बताया कि जब वे शार्क तक पहुंचे, तब तक उसका शरीर काफी हद तक सड़ चुका था, जिसकी वजह से वैज्ञानिक जांच के लिए पर्याप्त जैविक नमूने लेना मुश्किल हो गया. इसके बावजूद शोधकर्ताओं ने एक औपचारिक तकनीकी रिपोर्ट तैयार की है, ताकि दुर्लभ समुद्री प्रजातियों के आधिकारिक रिकॉर्ड में इस डेटा को जोड़ा जा सके.

बता दें कि मेगामाउथ शार्क को समुद्र के सबसे रहस्यमयी प्राणियों में से एक माना जाता है. यह गहरे पानी में रहने वाली एक 'फिल्टर-फीडिंग' प्रजाति है, जो इंसानों से बहुत दूर महासागर की अतल गहराइयों में निवास करती है. लेकिन इस खबर का सबसे हैरान कर देने वाला पहलू पिछले महीने यानी नवंबर 2025 में हुई घटना से जुड़ा है. रिपोर्ट के अनुसार, जब पियाउरा क्षेत्र में ही पिछला मेगामाउथ शार्क तट पर बहकर आया था, तब स्थानीय मछुआरों ने उसके दुर्लभ होने की परवाह किए बिना उसका मांस निकाल लिया था.

नारियल रबड़ी

नारियल की रबड़ी एक बेहद स्वादिष्ट और पारंपरिक भारतीय मिठाई है, जो अपनी मखमली बनावट और ताजे नारियल के स्वाद और खुशबू के लिए जानी जाती है। साधारण रबड़ी की तुलना में यह काफी हल्की और ताजगी से भरपूर होती है। आइए जानते हैं इसे बनाने की आसान और बेहतरीन रेसिपी.

सामग्री

- दूध- 1 लीटर (फुल क्रीम दूध सबसे अच्छा रहता है)
- ताजा नारियल- 1 कप (कद्दूकस किया हुआ)
- चीनी- ½ कप (या स्वादानुसार)
- इलायची पाउडर- ½ छोटी चम्मच
- केसर के धागे- 8-10 (2 चम्मच गर्म दूध में भिगोए हुए)
- कटे हुए मेवे- 2 बड़े चम्मच (बादाम, पिस्ता, काजू)

बनाने की विधि

एक भारी तले वाली कड़ाही में दूध डालें और उसे मध्यम आंच पर उबलने दें। जब दूध में उबाल आ जाए, तो आंच धीमी कर दें। इसे

बीच-बीच में चलाते रहें, ताकि यह तली में न चिपके। दूध को तब तक पकाएं जब तक वह अपनी मूल मात्रा का आधा न रह जाए।

जब तक दूध पक रहा है, ताजे नारियल का काला वाला हिस्सा हटा दें और उसे बारीक कद्दूकस कर लें। आप चाहें तो इसे मिक्सी में हल्का दरदरा भी पीस सकते हैं।

जब दूध आधा रह जाए और मलाईदार दिखने लगे, तब इसमें कद्दूकस किया हुआ नारियल और चीनी डालें। इसे अच्छी तरह मिलाएं और अगले 5-7 मिनट तक धीमी आंच पर पकाएं। नारियल डालने के बाद रबड़ी जल्दी गाढ़ी होने लगेगी। अब इसमें केसर वाला दूध और इलायची पाउडर डालें। केसर से रबड़ी को एक खूबसूरत हल्का पीला रंग और बेहतरीन खुशबू मिलती है। जब मिश्रण में रबड़ी जैसी कंसिस्टेंसी आ जाए, तो आंच बंद कर दें। ऊपर से कटे हुए मेवे डालें। ध्यान रहे कि ठंडी होने के बाद रबड़ी और भी गाढ़ी हो जाती है, इसलिए इसे बहुत ज्यादा न सुखाएं।

2 घंटे की फिल्म से ज्यादा खतरनाक है 30 सेकंड की रील्स

खोखला कर रही बच्चों का दिमाग

अक्सर मां-बाप सोचते हैं कि बच्चा अगर थोड़ी देर के लिए मोबाइल पर शॉर्ट वीडियोज देख रहा है, तो इसमें कोई परेशानी नहीं है, लेकिन सच्चाई यह है कि 15 सेकंड का एक छोटा वीडियो बच्चों के दिमाग को 2 घंटे की फिल्म से कहीं ज्यादा नुकसान पहुंचा सकता है। आइए क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ. सुमित ग्रोवर से जानते हैं कि क्यों यह बच्चों के विकास के लिए एक बड़ा चैलेंज बन गया है।

बच्चों का दिमाग हो रहा है हाईजैक

छोटे वीडियो या शॉर्ट्स को खास तौर पर इस तरह बनाया जाता है कि वे तुरंत आपका ध्यान खींच

लें। इनमें तेज बदलते दृश्य, तेज आवाजें और हर पल कुछ नया होता है। बच्चों का दिमाग अभी विकास के चरण में होता है, जहां वे फोकस और सेल्फ-कंट्रोल सीख रहे होते हैं।

ऐसे में, इस तरह की तेज उत्तेजना उनके दिमाग पर हावी हो सकती है। हर छोटी क्लिप उन्हें बिना किसी मेहनत के तुरंत मजा और उत्साह देती है। यह उनके दिमाग को ₹बिना मेहनत के तुरंत इनाम₹ पाने की आदत डाल देता है।

पढ़ाई और बातचीत लगने लगती है 'बोरिंग'

शॉर्ट वीडियो की यह लत असली दुनिया के कामों को प्रभावित करने लगती है। जब बच्चों को क्विक एंटरटेनमेंट की आदत हो जाती है, तो उन्हें किताबें पढ़ना, होमवर्क करना या यहां तक कि सामान्य बातचीत करना भी बहुत उबाऊ और निराशाजनक लगने लगता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि इन गतिविधियों में शॉर्ट वीडियो की तरह तेज रफ्तार और तुरंत मजा नहीं मिलता।

फोकस और क्रिएटिविटी पर खतरा

लंबे समय तक बहुत छोटे वीडियो देखने से बच्चों का अटेंशन स्पैन कम हो सकता है और वे ज्यादा गुस्सैल हो सकते हैं।

सबसे बड़ी समस्या यह है कि बच्चे बोरियत को सहन करना भूल जाते हैं। जबकि सच्चाई यह है कि बोरियत ही वह समय है जब इंसान का दिमाग लर्निंग और क्रिएटिविटी की ओर बढ़ता है। असली खतरा एक वीडियो की लंबाई नहीं, बल्कि इन लाउड और फास्ट क्लिप्स का लगातार और बार-बार दोहराया जाना है। यह आदत बच्चों के फोकस, सीखने की क्षमता और इमोशनल ग्रोथ में बाधा डाल सकती है।

स्क्रॉलिंग है असली दुश्मन...

- जहां एक तरफ 15 सेकंड का वीडियो केवल ध्यान भटकाता है, वहीं 2 घंटे की फिल्म एक पूरी कहानी कहती है।
- फिल्में बच्चों को धैर्य रखना और लंबे समय तक ध्यान केंद्रित करना सिखाती हैं।
- बच्चे किरदारों को समझते हैं, उनकी एक्टिविटीज को देखते हैं और फीलिंग्स को महसूस करते हैं।
- फिल्म देखने के दौरान बच्चे एक कहानी के साथ जुड़े रहते हैं, जो उनके भावनात्मक विकास में मदद करता है।
- इसके विपरीत, छोटे वीडियो में अक्सर कोई कॉन्टैक्स्ट या गहरा मतलब नहीं होता। वे बस एक के बाद एक लगातार स्क्रॉल होते रहते हैं, जिनका कोई एंड नहीं होता।

आज का राशिफल

मेष : लाभ के अवसर हाथ आएंगे। शत्रु परेशान करेंगे। हानि नहीं पहुंचा पाएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। चोट व रोग से बचें। विवाद न करें। आवश्यकताएं बढ़ेंगी। आर्थिक तंगी हो सकती है। कर्ज से बचें।

वृषभ : यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। बकाया वसूली होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद न करें। नेत्र पीड़ा की संभावना। कुछ लाभ। यात्रा के योग टलेंगे। विरोधी सक्रिय होंगे। ज्ञानीजनों से मुलाकात होगी। शांति बनाना आवश्यक है। अकारण भय व्याप्त होगा।

मिथुन : कार्यप्रणाली में सुधार होगा। योजना फलीभूत होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। यात्रा के योग बनेंगे। लाभ होगा। राज्य से परेशानी हो सकती है। स्त्री को कष्ट। जायदाद वृद्धि के योग बनेंगे। विरोधी सक्रिय होंगे।

कर्क : राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बढ़ेगी। हानि-लाभ का वातावरण बनेगा। पराक्रम बढ़ेगा। विजय मिलेगी, गर्व न करें। ईमानदारी से कार्य करते रहें। समय पक्ष का है। स्त्री सुख, यात्रा में हानि, दुख। विरोधी कष्ट देंगे।

सिंह : चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। व्यवसाय ठीक चलेगा। जल्दबाजी न करें। कष्ट होंगे। खर्च बढ़ेंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। धनागम के अवसर बनेंगे। 'आ बैल मुझे मार' की स्थिति निर्मित न होने दें। अकारण भय बना रहेगा। व्यापारी सोच-समझकर निर्णय लें।

कन्या : कोर्ट व कचहरी के कार्य बनेंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। हानि, भय, कष्ट का वातावरण बनेगा। कुछ लाभ के आसार दिखेंगे। दुखद समाचार मिलने की संभावना है। अस्वस्थता होगी। कुसंग से हानि, कुछ लाभ के आसार दिखेंगे।

तुला : संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। थकान महसूस होगी। रोजगार में वृद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। कष्टों में वृद्धि के योग हैं। कुछ नए कार्य की संभावना सिद्ध होगी। कष्टों में निवृत्ति नहीं होगी। कलह से बचना होगा। अधिकार के लिए प्रयत्न करना होगा।

वृश्चिक : रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। व्यवसाय मनोनुकूल लाभ होगा। रोग घेरेंगे। चिंताएं बढ़ेंगी। शत्रु शांत होंगे। अपमान, कष्ट, कलह से बचना होगा। राज्य से लाभ के अवसर बढ़ेंगे। शत्रु परेशान करेंगे। कुछ नुकसान होगा।

धनु : दौड़-धूप अधिक होगी। बुरी सूचना मिल सकती है। विवाद न करें। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे। अकारण भय व्याप्त होगा। शत्रु शांत होंगे। वाहन देखकर चलाएं। परिस्थितियां अनुकूल होंगी। कुछ विरोध होगा। विरोधी अपमान करेंगे। शांति होगी।

मकर : मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। घर-बाहर पूछ-परख बनी रहेगी। मातृपक्ष से परेशानी होगी। दुर्घटना की संभावना। धन मिलने की परिस्थिति निर्मित होगी। अंतरप्रेरणा से कार्य करें। धनागम के अवसर बढ़ेंगे। प्रमाद का त्याग करना होगा।

कुंभ : भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। शत्रु शांत होंगे। कष्ट-भय की संभावना, अस्वस्थता, आलस्य का अनुभव करेंगे। धनागम होगा। शरीर शिथिल होगा। शत्रु शांत रहेंगे। लाभ-हानि बराबर रहेंगे। प्रमाद बढ़ेगा।

मीन : यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ होगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। शुभ समाचार की आशा बंधेगी। शत्रु षड्यंत्र रचेंगे। सावधान रहने की आवश्यकता है। पराक्रम दिखलाने का अवसर है। लाभ होगा। रिश्वत न लें। नम्रता बनाए रखें।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

बिना तेल और मसाले के तैयार करें आंवले का यह लाजवाब अचार

सर्दियों का मौसम आते ही बाजार में ताजे और रसीले आंवलों की बहार आ जाती है। हम सभी जानते हैं कि आंवला 'विटामिन सी' का खजाना है और हमारी त्वचा, बालों और पेट के लिए किसी वरदान से कम नहीं है, लेकिन अक्सर लोग अचार के नाम से डर जाते हैं क्योंकि उसमें ढेर सारा तेल और तीखे मसाले होते हैं। अगर आप भी सेहत को लेकर जागरूक हैं, तो आज हम आपके लिए लाए हैं एक ऐसी 'सीक्रेट रेसिपी', जिसमें न तो एक बूंद तेल लगेगा और न ही कोई ते मसाला। फिर भी इसका स्वाद इतना चटपटा होगा कि आप उंगलियां चाटते रह जाएंगे।

जरूरी सामग्री

इस अचार को बनाने के लिए आपको बहुत कम चीजों की जरूरत पड़ेगी:

- आंवला: 500 ग्राम
- हरी मिर्च: 4-5 (लंबाई में कटी हुई)
- अदरक: 2 इंच का टुकड़ा (पतला कटा हुआ)
- नमक: स्वादानुसार (थोड़ा ज्यादा रखें ताकि अचार खराब न हो)
- हल्दी पाउडर: आधा चम्मच
- नींबू का रस: 2 बड़े चम्मच
- पानी: उबालने के लिए

बनाने की विधि

सबसे पहले आंवलों को अच्छी तरह धो लें। अब एक बर्तन में पानी गर्म करें और आंवलों को उसमें डाल दें। इन्हें करीब 10 मिनट तक उबालें जब तक कि ये थोड़े नरम न हो जाएं। ध्यान रहे, इन्हें बहुत ज्यादा नहीं पकाना है, बस इतना कि इनकी कलियां (फांकें) हल्की सी खुलने लगें।

इसके बाद, उबले हुए आंवलों को पानी से निकालकर ठंडा होने दें। ठंडा होने के बाद, हाथों से दबाकर इनकी कलियों को अलग कर लें और गुठली (बीज) को बाहर निकाल दें।

अब इन आंवलों की कलियों को एक कांच के बड़े कटोरे में डालें। इसमें कटी हुई हरी मिर्च और अदरक मिलाएं। अब ऊपर से हल्दी और नमक डालें। अगर आप थोड़ा और चटपटापन चाहते हैं, तो इसमें नींबू का रस मिला दें।

इस मिश्रण को एक साफ और सूखे कांच के जार में भर दें। आप चाहें तो इसमें थोड़ा सा वह पानी भी मिला सकते हैं जिसमें आंवले उबाले थे (बशर्ते पानी ठंडा हो), इससे अचार लंबे समय तक रसदार बना रहता है।

जार का ढक्कन बंद करें और इसे 2-3 दिन के लिए धूप में या किसी गरम जगह पर रख दें। तीसरे दिन आपका बिना तेल-मसाले वाला लाजवाब आंवला अचार खाने के लिए तैयार है। इसे दाल-चावल या पराठे के साथ परोसें और सेहत के साथ स्वाद का आनंद लें।

जोड़ों के दर्द में रामबाण इलाज है, मेथी, सोंठ और हल्दी का काढ़ा

आयुर्वेद में मसालों और बीजों को केवल स्वाद बढ़ाने का साधन नहीं माना गया, बल्कि इन्हें औषधीय गुणों का भंडार माना गया है. मेथी दाना, सोंठ और हल्दी ऐसे ही तीन शक्तिशाली तत्व हैं, जो शरीर की अंदरूनी सूजन को कम करने, नसों को मजबूती देने और जोड़ों को लचीलापन प्रदान करने में सहायक होते हैं. इनका सही अनुपात में उपयोग शरीर को धीरे-धीरे संतुलन की ओर ले जाता है.

आज की भागदौड़ भरी ज़िंदगी में जोड़ों का दर्द, कमर दर्द, सर्वाइकल और सायटिका जैसी समस्याएं आम होती जा रही है. लंबे समय तक बैठना, गलत पोश्चर और पोषण की कमी इन परेशानियों को और बढ़ा देती है. ऐसे में मेथी, सोंठ और हल्दी से बना यह पारंपरिक काढ़ा एक प्राकृतिक और सुरक्षित उपाय के रूप में राहत देने का काम करता है.

ग्रामीण सरोज देवी ने बताया कि मेथी, सोंठ हल्दी काढा स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद होता है. इसे बनाने के लिए आवश्यक सामग्री में मेथी दाना 60 ग्राम, सोंठ (सूखी अदरक) पाउडर 40 ग्राम,हल्दी पाउडर 20 ग्राम लेना है. इन तीनों चीज़ों को अच्छे से पीसकर मिला लें और किसी एयरटाइट डिब्बे में सुरक्षित रख लें. तैयार मिश्रण में से 1 चम्मच पाउडर ले ले. इसे 2 गिलास पानी में डालकर धीमी आंच पर उबालें. पानी उबलते-उबलते जब 1 गिलास रह जाए, तो गैस बंद कर दें, काढ़े को छान लें. इस काढ़े को पूरे दिन में थोड़ा-थोड़ा करके सेवन करें. ध्यान रहे की काढ़ा गुनगुना ही पीना है.

हेल्थ एक्सपर्ट डॉ अंजू चौधरी ने बताया कि जोड़ों के दर्द और कट-कट की आवाज आने पर यह काढा बेहद लाभकारी है. मेथी दाना जोड़ों की सूजन को कम करने और कार्टिलेज को पोषण देने में मदद करता है. नियमित सेवन से जोड़ों की अकड़न और आवाज की समस्या में धीरे-धीरे सुधार आता है. इसके अलावा यह कमर दर्ज को कम करने में बेहद मददगार होता है. सोंठ और हल्दी के सूजनरोधी गुण मांसपेशियों को आराम देते हैं और कमर दर्द में प्राकृतिक राहत प्रदान करते हैं.

आयुर्वेद के अनुसार यह सर्वाइकल और सायटिका में सहायक होता है. यह काढ़ा नसों की सूजन को शांत करता है, जिससे सर्वाइकल और सायटिका के दर्द में आराम मिलता है. इसी के साथ यह संक्रमण (इन्फेक्शन) में प्रभावी होता है. हल्दी और सोंठ में मौजूद एंटीबैक्टीरियल गुण शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर इन्फेक्शन से लड़ने में मदद करते हैं.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

200 रुपये के लिए युवक ने की दोस्त की हत्या

कानपुर. कानपुर में महज 200 रुपये के लिए एक युवक ने दोस्त की हत्या कर दी। नौबस्ता के संजयगांधी नगर निवासी दोस्त राहुल अवस्थी की हत्या के आरोपी दोस्त कामता शर्मा पर मानों खून सवार था। रेलवे मैदान में शराब पीने के बाद उसने अपने भतीजे मोहित के साथ मिलकर राहुल को बेल्ट से मारना शुरू किया। सर्दी में जैकेट आदि पहने होने की वजह से जब राहुल के असर नहीं हुआ तो भतीजे के साथ मिलकर उसे नग्न कर दिया। इसके बाद दोबारा बेल्टों से मारना शुरू किया और अंत में ईंट से चेहरा व सिर कूचकर उसकी हत्या कर दी। पकड़े जाने के बाद बाबा नगर निवासी कामता शर्मा ने पूरी वारदात कबूल कर ली है। इस दौरान उसके चेहरे पर जरा भी शिकन देखने को नहीं मिली।

आईफोन के लिए 11वीं की छात्रा ने दी जान

उरई. उत्तर प्रदेश के उरई में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। 11वीं की एक छात्रा ने केवल इसलिए जान दे दी कि पिता ने उसकी पसंद का आईफोन (iPhone) नहीं दिलाया। मामला कुसमिलिया गांव का है। यहां के रहने वाले तुलसीराम राजपूत एक बेहद साधारण परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उनकी 18 साल की बेटी माया गांव के ही राजकीय इंटर कॉलेज में 11वीं कक्षा में पढ़ती थी। परिजनों के अनुसार, कुछ समय पहले माया का पुराना मोबाइल फोन टूट गया था। इसके बाद उसने अपने पिता से नया फोन दिलाने की मांग की। बेटी की जिद साधारण फोन की नहीं थी। वह पुराना (सेकेंड हैंड) आईफोन लेना चाहती थी। इसकी कीमत लगभग 40 हजार रुपये बताई जा रही थी। एक ऑटो चालक पिता के लिए इतनी बड़ी रकम जुटाना मुश्किल हो रहा था। इसी बीच नियति ने एक क्रूर मोड़ लिया। पिता रोजाना की तरह अपना ऑटो लेकर काम पर निकल गए थे और मां खेतों में काम करने गई थी। घर में अकेली बेटी ने चूहा मारने वाली जहरीली दवा खा ली।

एसी, सिलेंडर फटे, मां और भाई संग जिंदा जला

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर के वसुंधरा रेजिडेंसी के एक मकान में सोमवार देर शाम अंगीठी से आग लगने के बाद दो गैस सिलेंडर और एसी कंप्रेशर फटने से बड़ा हादसा हो गया। आग में फंसे कानूनगो उनकी बुजुर्ग मां और भाई जिंदा जल गए। तीनों को बचाने के प्रयास में एक पड़ोसी युवक भी गंभीर रूप से झुलस गया। हादसे के समय कानूनगो की पत्नी अपनी दो बेटियों के साथ कुत्ते को टहलाने गई थीं। शामली के बड़ा बाजार के रहने वाले 50 वर्षीय अमित गौड़ देवबंद तहसील में कानूनगो थे। वह पत्नी रिचा और दो बेटियों आराध्या व अक्षिता के साथ नई मंडी कोतवाली क्षेत्र में स्थित वसुंधरा रेजीडेंसी में पिछले दो महीने से किराए के मकान में रह रहे थे। उनकी तबियत खराब होने के कारण उनकी मां 68 वर्षीय सुशीला और 45 वर्षीय छोटे भाई नितिन यहीं आ गए थे। सोमवार की शाम मकान की पहली मंजिल पर अमित अपनी मां और भाई के साथ मौजूद थे।

राष्ट्र प्रेरणा स्थल की पार्किंग के पास कैसे हुई 170 भेड़ों की मौत? इलाके में हड़कंप

यूपी के लखनऊ में बसंत कुंज स्थित राष्ट्र प्रेरणा स्थल की पार्किंग के पास सोमवार को करीब 170 भेड़ों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से इलाके में हड़कंप मच गया। एक साथ बड़ी संख्या में भेड़ों के मरने की घटना ने प्रशासन और स्थानीय लोगों को सकते में डाल दिया है। वहीं 200 से अधिक भेड़ें बीमार बताई जा रही हैं, जिनका इलाज कराया जा रहा है। कुछ स्थानीय लोगों का कहना है कि 25 दिसंबर को राष्ट्र प्रेरणा स्थल के उद्घाटन समारोह के बाद बचा हुआ सादा भोजन यहां फेंक दिया गया था, जिसे खाने से भेड़ों की मौत हुई।

2026 में भारत-PAK युद्ध संभव

- अमेरिकी थिंक टैंक का दावा-
- कश्मीर में आतंकी गतिविधि वजह बनेगी
- दोनों देशों ने हथियारों की खरीद बढ़ाई

अफगानिस्तान-पाकिस्तान संघर्ष की भी आशंका

रिपोर्ट में एक और बड़े खतरे की ओर इशारा किया गया है। CFR के मुताबिक, 2026 में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच भी सशस्त्र संघर्ष की मध्यम संभावना है, हालांकि इसका असर अमेरिकी हितों पर कम होगा। अक्टूबर में 2600 किलोमीटर लंबी डूरंड लाइन पर पाकिस्तान और तालिबान शासित अफगानिस्तान के बीच भीषण झड़पें हुई थीं। दोनों देशों की सेनाओं ने कई इलाकों में एक-दूसरे पर गोलीबारी की थी और सीमा चौकियां तबाह होने के दावे किए थे। इसके बाद दोनों देशों के रिश्ते और व्यापार बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।

अमेरिका के बड़े थिंक टैंक काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस (CFR) ने चेतावनी दी है कि 2026 में भारत और पाकिस्तान के बीच फिर युद्ध हो सकता है। CFR की रिपोर्ट 'कॉन्फ्लिक्ट्स टू वॉच इन 2026' के अनुसार, कश्मीर में आतंकी गतिविधियां बढ़ने से दोनों देशों के बीच टकराव की मध्यम संभावना है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि अगर भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष होता है, तो उसका असर अमेरिका के हितों पर भी मध्यम स्तर तक पड़ सकता है। हालांकि जम्मू-कश्मीर में अभी कोई बड़ा आतंकी हमला नहीं हुआ है, लेकिन खुफिया एजेंसियों के अनुसार इस सर्दी में जम्मू क्षेत्र में 30 से ज्यादा पाकिस्तानी आतंकी सक्रिय हैं।

इधर भारत-पाकिस्तान के बीच 10 मई को हुए संघर्षविराम के बावजूद दोनों देशों ने हथियारों की खरीद तेज कर दी है। भारत में रक्षा अधिग्रहण परिषद (DAC) ने हाल ही में 79 हजार करोड़ रुपए के रक्षा सौदों को मंजूरी दी है, जिसमें ड्रोन, एयर-टू-एयर मिसाइल और गाइडेड बम शामिल हैं।

उधर पाकिस्तान ने भी तुर्किये और चीन से नए ड्रोन और एयर डिफेंस सिस्टम खरीदने के लिए बातचीत शुरू की है, ताकि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सामने आई कमजोरियों को दूर किया जा सके।

शाह बोले- ममता घुसपैठ नहीं रोक सकतीं

CM बोलीं- शकुनि का चेला आया, घुसपैठ सिर्फ बंगाल से तो क्या पहलगाम हमला आपने कराया

कोलकाता. पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा है कि शकुनि का चेला दुशासन बंगाल में जानकारी जुटाने आया है। जैसे ही चुनाव आते हैं, दुशासन और दुर्योधन दिखाई देने लगते हैं। आज बीजेपी कह रही है कि ममता बनर्जी ने जमीन नहीं दी, तो फिर पेट्रापोल और अंडाल में जमीन किसने दी?

बांकुरा में आयोजित कार्यक्रम में ममता ने कहा- बीजेपी कहती है कि घुसपैठिए सिर्फ बंगाल से ही आते हैं। अगर ऐसा है तो क्या पहलगाम में हमला आपने कराया था? दिल्ली में जो घटना हुई, उसके पीछे कौन था? बीजेपी SIR के नाम पर लोगों को परेशान कर रही है।

ममता का ये बयान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान पर आया है। पश्चिम बंगाल दौरे के दूसरे दिन आज शाह ने कोलकाता में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में ममता सरकार घुसपैठ को रोक नहीं पा रही है। अगर राज्य में भाजपा सरकार बनी तो यहां परिंदा भी पर नहीं मार पाएगा। बंगाल में सभी योजनाएं डेड एंड पर पहुंच गई हैं।

दरअसल, शाह बंगाल विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर यहां पहुंचे हैं। पश्चिम बंगाल में विधानसभा का कार्यकाल 7 मई 2026 तक है। चुनाव मार्च-अप्रैल 2026 में होना लगभग तय है। यहां कुल 294 सीटें हैं, TMC की सरकार है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी हैं।

160 फीट खाई में बस गिरने से 7 की मौत

- 12 गंभीर घायल
- हेलिकॉप्टर से पहुंचाया AIIMS
- PM नरेंद्र मोदी ने जताया दुख

अल्मोड़ा. उत्तराखंड के अल्मोड़ा में आज सुबह यात्रियों से भरी बस 160 फीट गहरी खाई में गिर गई, जिससे 7 लोगों की मौत हो गई है। जबकि 12 से ज्यादा लोगों की हालत गंभीर है। हादसा भिकियासैंण-रामनगर मार्ग पर शीलापानी (विनायक क्षेत्र) के पास सुबह करीब 8 बजे हुआ, जिसकी दूरी भिकियासैंण से लगभग 8 किलोमीटर आगे है।

बस द्वाराहाट-भिकियासैंण-बासोट होते हुए रामनगर जा रही थी। तभी ड्राइवर ने अचानक बस से कंट्रोल खो दिया।

घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। मौके पर पुलिस के साथ एसडीआरएफ की टीम पहुंची, जिसके बाद ग्रामीणों की मदद से रेस्क्यू चलाया गया।

दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण राहत एवं बचाव कार्य में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हादसे पर दुख जताया और PMO ने X पर लिखा- हादसे में लोगों की जान जाने की खबर अत्यंत दुखद है। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

फिलहाल घायलों को भिकियासैंण के सरकारी अस्पताल में भर्ती करवा दिया गया है, जबकि दो लोगों को रामनगर के राम दत्त जोशी राजकीय संयुक्त चिकित्सालय में पहुंचाया गया है और हालात बिगड़ने पर दो घायलों को हेलिकॉप्टर से AIIMS ऋषिकेश भेजा गया।

बांग्लादेश की पूर्व पीएम खालिदा जिया का निधन : पाकिस्तान में नजरबंद रहीं

ढाका. बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (BNP) की प्रमुख खालिदा जिया का मंगलवार सुबह 6 बजे ढाका में निधन हो गया। वे 80 साल की थीं और पिछले करीब 20 दिनों से वेंटिलेटर पर थीं। खालिदा कई साल से सीने में इन्फेक्शन, लिवर, किडनी, डायबिटीज, गठिया और आंखों की परेशानी से जूझ रहीं थीं। उनके परिवार और पार्टी नेताओं ने निधन की पुष्टि की है। वे 1991 से 1996 और 2001 से 2006 तक दो बार बांग्लादेश की प्रधानमंत्री रहीं। वे पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान की पत्नी थीं।

खालिदा जिया का राजनीतिक जीवन काफी उठापटक भरा रहा। 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान

पाकिस्तानी सेना ने उन्हें नजरबंद कर दिया था। वे जुलाई से दिसंबर तक पाकिस्तानी सेना की कैद में रहीं थीं। 16 दिसंबर 1971 को पाकिस्तान की हार के बाद खालिदा जिया को रिहा किया गया।

बाद के सालों में भी उनकी राजनीति टकराव, आंदोलनों और हमलों से घिरी रही। साल 2015 में ढाका में मेयर चुनाव के प्रचार के दौरान उनके काफिले पर गोलीबारी और पत्थरबाजी भी हुई थी, जिसमें वे बाल-बाल बचीं थीं।

खालिदा का रुख भारत विरोधी था

भारत को लेकर खालिदा जिया का रुख ज्यादातर समय टकराव वाला रहा था। वह बार-बार कहती थीं कि बांग्लादेश की संप्रभुता और सुरक्षा सबसे ऊपर है।

प्रधानमंत्री रहते हुए खालिदा जिया ने भारत को बांग्लादेश की जमीन से होकर रास्ता देने का विरोध किया। भारत अपने पूर्वोत्तर राज्यों तक पहुंचने के लिए यह रास्ता चाहता था। खालिदा जिया का कहना था कि इससे बांग्लादेश की सुरक्षा को खतरा होगा।

उन्होंने 1972 की 'भारत-बांग्लादेश मैत्री संधि' को आगे बढ़ाने का भी विरोध किया।

भारत के पिनाका रॉकेट की पहली फ्लाइट टेस्टिंग सफल

- 120km रेंज, टारगेट पर सटीक अटैक किया
- भारतीय सेना में शामिल करने की भी मंजूरी मिली

पुराने लॉन्चर से भी रॉकेट चलाया जा सकता है

LRGR को आर्मामेंट रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट ने हाई एनर्जी मटीरियल्स रिसर्च लैबोरेटरी के साथ मिलकर डिजाइन किया है। इसे बनाने में डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट लैबोरेटरी और रिसर्च सेंटर इमारत ने भी मदद की है। इस फ्लाइट टेस्टिंग का संचालन इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज और प्रूफ एंड एक्सपेरिमेंटल एस्टेब्लिशमेंट ने किया। रॉकेट को सेना में पहले से इस्तेमाल हो रहे पिनाका लॉन्चर से दागा गया, जिससे यह साबित हुआ कि एक ही लांचर से विभिन्न रेंज के पिनाका रॉकेट्स दागे जा सकते हैं।

चांदीपुर. भारत ने सोमवार को ओडिशा के चांदीपुर स्थित इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज से पिनाका लॉन्ग रेंज गाइडेड रॉकेट (LRGR-120) की पहली सफल फ्लाइट टेस्टिंग की। इस दौरान रॉकेट को उसकी अधिकतम 120 किलोमीटर रेंज तक दागा गया।

उड़ान के दौरान रॉकेट ने सभी तय इन-फ्लाइट मैन्युवर सफलतापूर्वक पूरे किए और निर्धारित लक्ष्य पर सटीक वार किया। रेंज में तैनात सभी ट्रैकिंग सिस्टम ने उड़ान के पूरे रूट के दौरान रॉकेट की निगरानी की।यह सफल परीक्षण रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) ने किया।

खास बात यह रही कि 120 किलोमीटर रेंज वाले इस रॉकेट का पहला टेस्ट उसी दिन हुआ, जब रक्षा मंत्रालय के रक्षा अधिग्रहण परिषद (DAC) ने इसे भारतीय सेना में शामिल करने की मंजूरी दी। DAC की बैठक सोमवार दोपहर में हुई थी।

इसमें ₹79 हजार करोड़ के सैन्य उपकरणों की खरीद को मंजूरी दी। इसमें मिसाइलें, रॉकेट, रडार सिस्टम शामिल हैं। पिनाका सिस्टम के लिए लंबी दूरी के गाइडेड रॉकेट खरीदे जाएंगे। सेना के लिए इंटीग्रेटेड ड्रोन डिटेक्शन एंड इंटरडिक्शन सिस्टम (एमके-II) भी लिया जाएगा।

क्लाइमेट चेंज से भालू हो रहे हिंसक

देहरादून. उत्तराखंड में बारिश-बर्फबारी न होने से भालुओं की शीतनिद्रा का चक्र बिगड़ गया है। इस साल अब तक भालुओं की नींद के करीब 60 दिन कम हो गए हैं। नवंबर में शीतनिद्रा में जाने वाले इस जानवर ने अभी तक पहाड़ों पर लोगों की नींद उड़ा रखी है। भालुओं के बिगड़े निद्राचक्र ने वन विभाग को भी चिंता में डाल दिया है। भालू अब तक सोने क्यों नहीं गए ये जानने के लिए अब विभाग उनकी गुफाओं को लेकर अध्ययन करेगा। हिमालयी क्षेत्र में पाए जाने वाले भालू सामान्य तौर पर करीब 120 दिन नींद लेते हैं। ये वक्त सर्दियों में नवंबर-दिसंबर से शुरू होकर फरवरी-मार्च तक होता। लेकिन इस बार भालुओं की पारंपरिक गुफाएं अभी तक खाली पड़ी हैं।

भारतीय सेना के ध्रुव-NG हेलिकॉप्टर में आम नागरिक सफर करेंगे

- उड्डयन मंत्री नायडू ने हरी झंडी दिखाई
- मेडिकल इमरजेंसी, पर्यटन और आपदाओं में इस्तेमाल होगा

नई दिल्ली. केंद्रीय सिविल एवएशन मिनिस्टर राम मोहन नायडू ने मंगलवार को नेक्स्ट जनरेशन सिविल हेलिकॉप्टर ध्रुव NG को हरी झंडी दिखाई। इसे हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) ने बनाया है।

HAL से उड़ान भरने से पहले, मंत्री हेलीकॉप्टर के सिस्टम और फीचर्स की जानकारी लेने के लिए पायलट के साथ कॉकपिट में भी बैठे।

अधिकारियों के मुताबिक ध्रुव NG, एक परिष्कृत 5.5-टन, हल्का ट्विन-इंजन, मल्टी-रोल हेलीकॉप्टर है जिसे भारतीय इलाके की विविध और मुश्किल जरूरतों को पूरा करने के लिए बनाया गया है।

ध्रुव हेलिकॉप्टर अब तक सिर्फ सशस्त्र बलों की जरूरतें पूरी करता रहा है। अब आम नागरिक भी इसमें सफर कर सकेंगे। इसका मकसद मेडिकल इमरजेंसी, पर्यटन, दूरदराज के इलाकों की कनेक्टिविटी और आपदा राहत जैसे क्षेत्रों में हेलिकॉप्टर सेवाओं को बढ़ाना है।

इससे पहले, भारतीय सेना ध्रुव हेलिकॉप्टर का पहाड़ों, रेगिस्तान और समुद्री इलाकों में अपने ऑपरेशन के लिए इस्तेमाल करती रही है।

श्रेयस अय्यर 50 ओवर के मैच के लिए फिट नहीं

- मेडिकल रिपोर्ट में दावा;
- न्यूजीलैंड से सीरीज नहीं खेलेंगे

भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को टीम इंडिया में वापसी के लिए इंतजार करना होगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ उनका वनडे टीम में चुना जाना मुश्किल है। अय्यर अभी बेंगलुरु स्थित BCCI के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिकवरी कर रहे हैं। इस हफ्ते उनकी रिकवरी का आकलन किया जा रहा है। BCCI के सूत्रों ने बताया है कि मेडिकल टीम जल्द ही अपनी रिपोर्ट देगी। श्रेयस वनडे क्रिकेट के लिए पूरी तरह फिट नहीं हुए हैं। इसलिए टीम में उनका चुना जाना मुश्किल है।

चयन समिति एक दो दिन में 3 मैचों की वनडे सीरीज के लिए स्क्वॉड का ऐलान करेगी। पहला मैच 11 जनवरी को बड़ौदा में खेला जाएगा।

न्यूजीलैंड का भारत दौरा

वनडे	कब	कहां	समय
पहला	11 जनवरी 2026	बड़ौदा	1:30 PM
दूसरा	14 जनवरी 2026	राजकोट	1:30 PM
तीसरा	18 जनवरी 2026	इंदौर	1:30 PM

टी-20	कब	कहां	समय
पहला	21 जनवरी 26	नागपुर	7:00 PM
दूसरा	23 जनवरी 26	रायपुर	7:00 PM
तीसरा	25 जनवरी 26	गुवाहाटी	7:00 PM
चौथा	28 जनवरी 26	वाइजैक	7:00 PM
पांचवां	31 जनवरी 26	त्रिवेंद्रम	7:00 PM

घने जंगलों में ऑपरेशन के लिए BSF जवानों को नई वर्दी

- दुश्मन का बचना अब और मुश्किल

नई दिल्ली. बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (BSF) ने जम्मू-कश्मीर में एलओसी के पास घने जंगलों में ऑपरेशन के लिए नई यूनिफॉर्म पेश की है। इस यूनिफॉर्म को ऑपरेशन सिंदूर के अनुभव के आधार पर डिजाइन किया गया है। यह वन क्षेत्रों की प्राकृतिक हरियाली और भूरे-भूरे रंगों के साथ बेहतर तालमेल बिठाता है। इस वर्दी में खास तरह के कपड़े का इस्तेमाल किया गया है, जो कड़ाके की ठंड और बर्फबारी में भी जवानों को आरामदायक रखता है। इसमें कई नए तकनीकी फीचर्स जैसे बेहतर पॉकेट सिस्टम, नाइट-विजन गॉगल के लिए आसान माउंट और इन्फ्रारेड सिग्नेचर कम करने वाली सामग्री शामिल की गई है।

बीएसएफ अधिकारियों के अनुसार, नए साल के मौके पर घुसपैठ की कोशिशें बढ़ने की आशंका को देखते हुए LoC पर सतर्कता और बढ़ा दी गई है। पिछले कई वर्षों में आतंकी संगठन और दुश्मन तत्व सर्दियों में बर्फबारी व त्योहारों के दौरान सुरक्षा बलों की गतिविधियों में थोड़ी ढील का फायदा उठाकर घुसपैठ की कोशिश करते रहे हैं। गुलमर्ग, बारामूला, पुंछ और कुपवाड़ा जैसे संवेदनशील सेक्टरों में बीएसएफ ने हाई-रेजोल्यूशन ड्रोन, थर्मल इमेजिंग कैमरे और सेंसर-आधारित निगरानी प्रणाली को और मजबूत किया है।

LRGR को आर्मामेंट रिसर्च एंड डेवलपमेंकितना खास है यह यूनिफॉर्म

नई यूनिफॉर्म के साथ अब जवान जंगलों में और बेहतर छिप सकते हैं। वे दुश्मन को मुश्किल से दिखाई देते हैं, जिससे ऑपरेशन को अंजाम देने में आसानी होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, यह नई यूनिफॉर्म और बढ़ी हुई तकनीकी निगरानी ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मिले अनुभव का नतीजा है। अब जंगली इलाकों में छिपे घुसपैठियों को पकड़ने में चुनौतियां कम होंगी। सेना और बीएसएफ के प्रयासों से LoC पर स्थिति नियंत्रण में है, फिर भी किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए पूरी तैयारी रखी गई है। जवानों का मनोबल ऊंचा है और नई पोशाक को लेकर उन्हें ट्रेनिंग भी दी जा रही है।

पूर्व CJI चंद्रचूड़ के नाम पर डिजिटल अरेस्ट

- मुंबई में बुजुर्ग महिला से 3.71 करोड़ ठगे
- सूरत से एक आरोपी गिरफ्तार

मुंबई. मुंबई में 68 साल की एक महिला से 3.71 करोड़ रुपए की ठगी हो गई। आरोपियों ने खुद को मुंबई के कोलाबा पुलिस स्टेशन के साथ-साथ केंद्रीय एजेंसियों का कर्मचारी बताया था। इन लोगों ने नकली ऑनलाइन कोर्ट सुनवाई भी की, जिसमें एक व्यक्ति ने खुद को पूर्व चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ बताया था।

इस मामले में साइबर पुलिस ने एक आरोपी को सूरत से पकड़ा है। आरोपी के खाते में 1.71 करोड़ रुपए ट्रांसफर हुए थे। उसने यह अकाउंट फर्जी कपड़ा कंपनी के नाम पर खुलवाया था। इसके बदले उसे 6.40 लाख रुपए कमीशन मिला।

साइबर ठगों ने 2 महीने तक धोखे में रखा

महिला मुंबई के अंधेरी वेस्ट में रहती है। महिला पर धोखेबाज लगातार नजर रख रहे थे। 18 अगस्त को महिला को एक कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को कोलाबा पुलिस स्टेशन का अफसर बताया। साथ ही कहा कि उसके बैंक खाते का इस्तेमाल मनी लॉन्ड्रिंग में हो रहा है। फिर धमकाया कि किसी को कुछ बताया तो कार्रवाई होगी। इसके बाद महिला से बैंक डिटेल्स मांगी गईं। कहा गया कि अब सीबीआई जांच करेगी।

आरोपी ने महिला से उसके जीवन पर दो से तीन पेज का निबंध भी लिखवाया। फिर महिला से कहा कि उसे उसकी बेगुनाही पर यकीन हो गया है और वह यह सुनिश्चित करेगा कि उसे जमानत मिल जाए।

महिला से मांगे इन्वेस्टमेंट से जुड़े दस्तावेज

एक आरोपी ने अपना नाम एसके जायसवाल बताया। उसने वीडियो कॉल पर महिला को एक व्यक्ति से मिलवाया, जिसने खुद को सुप्रीम कोर्ट का जस्टिस चंद्रचूड़ बताया। उसने महिला से निवेश से जुड़े दस्तावेज मांगे। महिला ने दो महीने में करीब पौने चार करोड़ रुपए खातों में ट्रांसफर कर दिए।

उल्हासनगर महानगरपालिका
निवडणूक विभाग

मुख्य कार्यालय, दुसरा मजला, उल्हासनगर 421003 जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र
Tel No: 0251-2720116/125 Ext. No. 237

उल्हासनगर महानगरपालिका सार्वत्रिक निवडणूक 2025
जाहीर सूचना

उल्हासनगर महानगरपालिकेच्या सन 2025 मध्ये होणा या सार्वत्रिक निवडणुकीसाठी मतदान केंद्रनिहाय मतदार यादी प्रसिद्ध करण्यात येत आहे :-

1	मतदान केंद्रनिहाय मतदार यादी प्रसिध्द करण्याचा दिनांक	**बुधवार, दिनांक 31 डिसेंबर, 2025**
2	मतदान केंद्रनिहाय मतदार यादी येथे उपलब्ध आहे.	1) निवडणूक विभाग, महानगरपालिका मुख्यालय 2) निवडणूक निर्णय अधिकारी कार्यालय क्र. 1 ते 6

ठिकाण : उल्हासनगर
दिनांक : 31 डिसेंबर 2025
जा.क्र. उमपा/पीआरओ/464/2025
दि. 30.12.2025

सही/-
(मनिषा आव्हाले, भा.प्र.से.)
आयुक्त
उल्हासनगर महानगरपालिका

संक्षेप...

4 जनवरी को मुफ्त नेत्र जांच शिविर
कामतघर पीस पार्क में होगा आयोजित

भिवंडी. प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय भिवंडी की तरफ से वसई अंधदुख निवारण मंडल एवं जनरल धर्मादाय अस्पताल वसई द्वारा प्रायोजित मुफ्त नेत्र चिकित्सा और मोतीविंद ऑपरेशन कैंप कामतघर स्थित पीस पार्क में रविवार 4 जनवरी सुबह 9.30 से 11.30 तक किया जाएगा.उक्त जानकारी प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय भिवंडी संचालिका शिल्पा बहन ने देते हुए बताया कि,नेत्र चिकित्सा संबंधित मुफ्त शिविर में 40 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की आंख जांच की जाएगी.मोतीविंद सर्जरी होने वालों को राशन कार्ड,फोटो लाना अनिवार्य है.नेत्र आपरेशन हेतु वसई स्थित अस्पताल ले जाने और वापसी की मुफ्त सुविधा के साथ ही इलाज खर्च,खाना आदि संस्था द्वारा रोगियों को पूर्णतया मुफ्त प्रदान किया जाएगा.कैंप संबंधित अन्य जानकारी हेतु 8149934822,9146788396 पर संपर्क कर सकते हैं.

भांडुप में बस ने 13 लोगों को कुचला : 4 की मौत, 9 घायल

- रिवर्स करते समय हादसा
- ड्राइवर हिरासत में

मुंबई. भांडुप में रेलवे स्टेशन के बाहर सोमवार देर रात एक बस ने 13 पैदल यात्रियों को कुचल दिया। हादसे में 3 महिला सहित 4 लोगों की मौत हो गई। 9 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। मुंबई पुलिस ने बताया कि हादसा रात 9:35 बजे बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट (BEST) की बस से हुआ।

शुरुआती जानकारी के अनुसार, BEST की बस रिवर्स करते समय बेकाबू हो गई और सड़क पर चल रहे लोगों को चपेट में ले लिया।। हादसे के बाद बस ड्राइवर को हिरासत में ले लिया गया है। घटना के बाद एम्बुलेंस, मुंबई फायर ब्रिगेड और BEST की टीम मौके पर पहुंची।

पीड़ितों को तुरंत एम्बुलेंस की मदद से राजावाड़ी और एम.टी. अग्रवाल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां 4 लोगों की मौत की पुष्टि हुई। मौत का आंकड़ा बढ़ने की आशंका है। बस ने एक बिजली के खंभे को भी टक्कर मारी, जिससे वह गिर गया। इससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

प्रत्यक्षदर्शी ने बताया- एक व्यक्ति का सिर कुचला

मौके पर मौजूद एक प्रत्यक्षदर्शी, फार्मासिस्ट सैमिनी मुदलियार ने बताया कि वह पास के बस स्टॉप पर अपनी बस का इंतजार कर रही थीं। तभी एक तेज धमाके जैसी आवाज सुनाई दी। मुदलियार ने कहा- अगले ही पल मैंने लोगों को बस से टकराते हुए उछलकर गिरते देखा। बस कुछ देर बाद रुक गई।

मुदलियार ने बताया कि बस के नीचे लोग फंसे थे। लोग बस को उठाने और धकेलने लगे। बस के पास हर तरफ खून फैला था। कई लोग जख्मी हालत में पड़े थे। एक व्यक्ति का सिर बुरी तरह कुचला हुआ था, मानो बस उसके ऊपर से गुजरी हो, जबकि दूसरे की जांघ के पास चोट लगी थी।

फुटपाथ पर अतिक्रमण, लोग सड़क पर थे

एक प्रत्यक्षदर्शी ने फुटपाथ पर ठेलेवालों के अतिक्रमण को हादसे का कारण बताया है। उनके अनुसार, फुटपाथ पर जगह न होने के कारण पैदल यात्रियों को सड़क पर उतरना पड़ा, जिससे हादसा हुआ। प्रत्यक्षदर्शी के मुताबिक, यह इलाका हमेशा भीड़भाड़ वाला रहता है। सस्ती सब्जियां मिलने के कारण यहां लोगों की संख्या और बढ़ जाती है, जिससे स्थिति और जटिल हो जाती है। भारी भीड़ के कारण बसों को यू-टर्न लेने में दिक्कत होती है।

बस चालक के खिलाफ एफआईआर

डीसीपी हेमराज सिंह राजपूत ने बताया कि बस चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। बस की मैकेनिकल और तकनीकी जांच कराई जाएगी।

मृतकों के परिजन को 5 लाख मदद की घोषणा

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घटना पर शोक जताते हुए मृतकों के परिजन को 5 लाख की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यह घटना बेहद दुखद है। उन्होंने मृतकों को श्रद्धांजलि दी और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

शेयर ट्रेडिंग में हाई रिटर्न का झांसा

बदलापुर. बदलापुर में साइबर ठगी का एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां एक दंपती को शेयर ट्रेडिंग में भारी मुनाफे का झांसा देकर 21.9 लाख रुपये की ठगी कर ली गई. पुलिस के अनुसार, यह ठगी व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से की गई, जिसमें निवेश पर ऊंचे रिटर्न का लालच दिया गया था. पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित दंपती बदलापुर के निवासी हैं. नवंबर महीने में उन्हें 'Bull Market Guide Community' नाम के एक व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा गया. ग्रुप में मौजूद कथित एक्सपर्ट्स द्वारा शेयर बाजार में सुरक्षित और तेज मुनाफे का दावा किया जा रहा था. शुरुआत में छोटी रकम निवेश कराई गई, जिससे दंपती का भरोसा बढ़ा.

इसके बाद साइबर ठगों ने दंपती पर लगातार दबाव बनाकर अलग-अलग शेयरों में निवेश कराया. महज 11 दिनों के भीतर दंपती ने कुल 21.9 लाख रुपये निवेश कर दिए. कुछ समय बाद जब पीड़ितों ने अपनी मूल राशि और कथित मुनाफा निकालने की कोशिश की, तो उन्हें ऐसा करने से रोका गया. इसके बाद उन्हें एहसास हुआ कि उनके साथ धोखाधड़ी हो चुकी है.

ठगी का अहसास होने पर पीड़ित दंपती ने पुलिस से संपर्क किया. मामले की जांच के बाद पुलिस ने अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है.

प्रभाग निहाय विश्लेषण...

पैनल 14 में शिवसेना को टक्कर देंगे

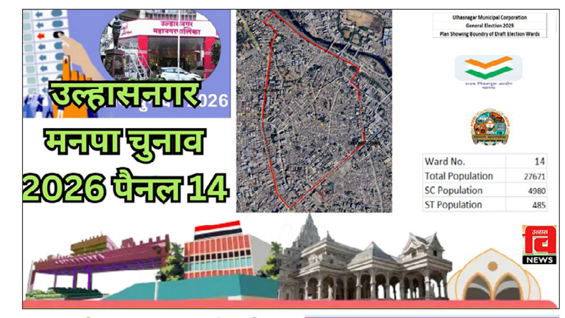

- पानी व सफाई की समस्या कायम

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगरपालिका का चुनाव 15 जनवरी 2026 को होने जा रहा है। मनपा क्षेत्र में कुल 78 वार्डों के 20 पैनल बनाए गए हैं। सभी पैनल कई समस्याओं से ग्रस्त जिसमें हर पैनल में प्रमुख समस्या खराब सड़कें, पानी की किल्लत, साफ सफाई कचरे की समस्या, धोकादायक इमारतों का मुद्दा, ट्रैफिक, अवैध निर्माण समस्या जैसे मूलभूत सुविधा से शहर वंचित है और इन्हीं प्रमुख मुद्दों पर चुनाव प्रचार देखने को मिलेगा। ऐसे में हमने सभी पैनलों का विश्लेषण संक्षिप्त में किया है और यहां लोगों को पूर्व नगरसेवक ही चाहिए या कोई नया युवा नेता।

उल्हासनगर-4 स्थित इस पैनल में चार वार्डों का समावेश है जिसमें गजानन नगर, वीनस चौक, परिजात कालोनी, सीताराम नगर, लाल चक्की, सखाराम नगर, मद्रासी पाडा, समता कालोनी, स्टेशन रोड, शिव शक्ति कालोनी, मराठा सेक्शन, जीजामाता उद्यान, श्री राम टॉकीज, पवाई चौक, वसीटा कालोनी, उल्हासनगर-4 ओटी सेक्शन, उल्हास विद्यालय, आदर्श नगर का समावेश है। 2017 के चुनाव में यहां अ - चंद्रशेखर यादव -शिवसेना, ब- मिताली चानपूर- शिवसेना, क - लीलाबाई आशान- शिवसेना, ड - सुनील सुर्वे -शिवसेना के नगरसेवक रह चुके हैं। इस पैनल पर पूरी तरह शिवसेना का कब्जा है। यहां राकांपा व भाजपा सेंधमारी करेगी। अब नए आरक्षण में यहां अनुसूचित जाती महिला, ओबीसी महिला, जनरल व जनरल सीट है। इस पैनल में मराठी समाज के ज्यादातर मतदाता रहते हैं। यहां पर पूर्व नगरसेवक व शिवसेना नेता अरुण आशान की अच्छी पकड़ है। यहां पर इस बार भी शिवसेना को टक्कर देने राकांपा व भाजपा तथा शिवसेना के ही कुछ बागी उम्मीदवार उन्हें टक्कर देंगे। पैनल में भरपूर समस्याएं जिसमें पानी, सफाई व रास्ते प्रमुख हैं। यहां पर मुकाबला दिलचस्प होगा।

पैनल 14	
कुल मतदाता	21,021
पुरुष मतदाता	11,075
महिला मतदाता	10,942

BMC का रण : 227 सीटों पर भाजपा और शिवसेना तैयार

- अलग लड़ रहे अजित पवार

मुंबई. महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (BJP) बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) चुनाव में 137 जबकि शिवसेना 90 सीट पर उम्मीदवार उतारेगी। मुंबई भाजपा के अध्यक्ष अमित सातम ने नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 30 दिसंबर से एक दिन पहले काफी विचार-विमर्श के बाद सीट बंटवारे का फॉर्मूला साझा किया। महाराष्ट्र में BMC समेत 29 नगर निकायों के चुनाव 15 जनवरी को होंगे। मतगणना अगले दिन होगी।

साटम ने कहा कि दोनों दल अपने-अपने कोटे से कुछ सीट गठबंधन साझेदारों को आवंटित करेंगे। दोनों दलों के उम्मीदवार मंगलवार को नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। सत्तारूढ़ गठबंधन 'महायुति' में शामिल एक और दल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) BMC चुनाव अलग लड़ रहा है। राकांपा अब तक 64 उम्मीदवार उतार चुकी है।

नासिक नगर निगम (एनएमसी) चुनावों में महायुति के सहयोगी दलों भारतीय जनता पार्टी और शिवसेना-राकांपा तथा महा विकास आघाडी के बीच त्रिकोणीय मुकाबला होता दिखायी दे रहा है। नेताओं ने सोमवार को यह कहा। भाजपा ने चुनाव में अकेले उतरने का फैसला किया है, जबकि उसके सहयोगी दल, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) और शिवसेना एक साथ आ गए हैं।

दूसरी ओर, सूत्रों के अनुसार, महा विकास आघाडी (एमवीए) ने चुनाव साथ-साथ लड़ने का लगभग फैसला कर लिया है। राज्य के मंत्री और राकांपा नेता नरहरि जिरवाल ने कहा कि भाजपा ने गठबंधन को लेकर कोई संदेश नहीं दिया है। नामांकन दाखिल करने के एक दिन पहले शिवसेना (एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली) और राकांपा ने नासिक महानगरपालिका (एनएमसी) चुनाव एक साथ लड़ने का फैसला किया है।

उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'कौन कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगा, इस पर कोई सवाल ही नहीं है। हम चुनाव जीतने की क्षमता के फॉर्मूले के आधार पर लड़ रहे हैं। उसी के अनुसार सीटों का बंटवारा किया जाएगा।' शिवसेना के पूर्व सांसद हेमंत गोडसे ने भी जिरवाल की बात दोहराते हुए भाजपा पर ₹सकारात्मक प्रतिक्रिया₹ न देने का आरोप लगाया।

राकांपा ने 27 उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने मुंबई महानगरपालिका चुनाव के लिए सोमवार को 27 उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की, जिसके साथ ही नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि से एक दिन पहले कुल उम्मीदवारों की संख्या बढ़कर 64 हो गई है।

इससे पहले, मुंबई भाजपा के अध्यक्ष अमित साटम ने राकांपा के साथ किसी भी तरह के गठबंधन से इनकार करते हुए कहा था कि पार्टी के नेता नवाब मलिक बृहन्मुंबई महानगरपालिका चुनाव के लिए पार्टी के चुनाव प्रबंधन के प्रभारी हैं। मलिक पर धनशोधन में शामिल होने और दाऊद इब्राहिम के सहयोगियों से संबंध रखने का आरोप है।

एक्सप्रेस ट्रेन में फर्जी टिकट निरीक्षक गिरफ्तार

ठाणे. एक एक्सप्रेस ट्रेन में रेलवे टिकट निरीक्षक बनकर यात्रियों के टिकट जांच रहे एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना 26 दिसंबर को मनमाड और छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) के बीच चलने वाली तपोवन एक्सप्रेस में हुई। उत्तर प्रदेश निवासी सुरेंद्र राजेंद्र मौर्य (27) को उस समय पकड़ा गया, जब एक यात्री ने मुख्य टिकट निरीक्षक (सीटीआई) को सूचना दी कि दूसरे डिब्बे में एक अन्य अधिकारी टिकटों की जांच कर रहा है।

यह जानते हुए कि ट्रेन में किसी अन्य निरीक्षक की ड्यूटी नहीं लगाई गई है, सीटीआई और उनके सहयोगियों ने कसारा स्टेशन पर मौर्य को पकड़ा और पूछताछ की, जिसमें उसके फर्जी होने का पता चला। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ रेलवे अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 204 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

'मेरा वोट-मेरा भविष्य' अभियान

सफाई कर्मचारियों ने मतदान करने के लिए किया जागरूक

ठाणे. 'मेरा वोट- मेरा भविष्य' हम सफाई अभियान चलाएंगे, लेकिन आप अपने अधिकार से मतदान करें नारे के साथ, सफाई कर्मचारियों ने उथलसर प्रभाग समिति में तहत मतदान जागरूकता अभियान को सफलतापूर्वक चलाया। मनपा आयुक्त व चुनाव अधिकारी सौरभ राव के मार्गदर्शन में उपायुक्त उमेश बिरारी,उपायुक्त और SVEEP नोडल अधिकारी मिताली संचेती की मदद से SVEEP पहल के तहत शहर में अलग-अलग जगहों पर मतदान के बारे में लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

आने वाले ठाणे मनपा आम चुनाव 2025 को देखते हुए चुनाव निर्णय अधिकारी उर्मिला पाटिल की पहल पर, उथलसर प्रभाग समिति

वार्ड नंबर 10, 11, 12 के तहत SVEEP टीम ने वोटर जागरूकता अभियान को सफलतापूर्वक चलाया।

यह अभियान मेरा वोट- मेरा भविष्य के कॉन्सेप्ट पर आधारित था, जिसमें अंबे घोसले तालाब और केसर मिल सर्कल इलाकों में सफाई कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी थी।इस अभियान में सफाई कर्मचारियों को मतदान के महत्व, लोकतांत्रिक प्रक्रिया में मतदान का स्थान तथा प्रत्येक नागरिक की भूमिका पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया। उपस्थित लोगों को मतदान क्यों करना चाहिए, मतदान से कैसे सशक्त लोकतंत्र मजबूत होता है, इस विषय पर जानकारी देकर उनमें जागरूकता पैदा की गई।

इस अवसर पर मतदान जागरूकता पर सामूहिक नारे लगाए गए तथा सफाई कर्मचारियों के साथ मतदान की सामूहिक शपथ ली गई। उपस्थित कर्मचारियों को जागरूक किया गया कि मतदान प्रत्येक नागरिक का राष्ट्रीय कर्तव्य है तथा यह एक महत्वपूर्ण अधिकार एवं जिम्मेदारी है। सभी से अपील की गई कि वे अपने परिजनों एवं क्षेत्र के नागरिकों को भी मतदान के लिए प्रेरित करें तथा आगामी चुनाव में अवश्य मतदान करें।इस जागरूकता कार्यक्रम में सफाई कर्मचारियों ने "स्वच्छता अभियान हम चलाएंगे, पर आप हक से करें मतदान" का नारा दिया तथा मतदाताओं से बढ़-चढ़कर मतदान करने की अपील की। अभियान से क्षेत्र में मतदान को लेकर सकारात्मक माहौल बना है तथा लोकतांत्रिक भागीदारी बढ़ाने में योगदान मिला है।

प्रभाग निहाय विश्लेषण...

पैनल-15 में बोडारे का सिक्का फिर चलेगा?

- पानी, कचरा व रोड की समस्या कायम

उल्हासनगर। उल्हासनगर महानगरपालिका का चुनाव 15 जनवरी 2026 को होने जा रहा है। मनपा क्षेत्र में कुल 78 वार्डों के 20 पैनल बनाए गए हैं। सभी पैनल कई समस्याओं से ग्रस्त जिसमें हर पैनल में प्रमुख समस्या खराब सड़कें, पानी की किल्लत, साफ सफाई कचरे की समस्या, धोकादायक इमारतों का मुद्दा, ट्रैफिक, अवैध निर्माण समस्या जैसे मूलभूत सुविधा से शहर वंचित है और इन्हीं प्रमुख मुद्दों पर चुनाव प्रचार देखने को मिलेगा। ऐसे में हमने सभी पैनलों का विश्लेषण संक्षिप्त में किया है और यहां लोगों को पूर्व नगरसेवक ही चाहिए या कोई नया युवा नेता।

उल्हासनगर-4 स्थित इस पैनल में चार वार्डों का समावेश है जिसमें विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन, उल्हासनगर-4 मुख्य बाजार, सेक्शन 30, पुलिस लाईन, वीटीसी ग्राऊंड, संतोष नगर, शिवनगर स्कूल, महात्मा फुले नगर, वाडो रेडियो कंपाऊड, वसीटा कालोनी, श्रीराम नगर वाल्मीक नगर, कृष्णा मंडल, सतरामदास अस्पताल, एकता कालोनी, श्री राम पेट्रोल पंप परिसर, बिस्किट फैक्ट्री, पैंसिल फैक्ट्री परिसर, सरकारी अस्पताल, जागृत कालोनी आदि का समावेश है। 2017 के चुनाव में यहां अ - संगीता सपकाळे - शिवसेना, ब - शीतल बोडारे - शिवसेना, क - वसुधा बोडारे - शिवसेना, ड- धनंजय बोडारे - शिवसेना के नगरसेवक रह चुके हैं। अब नए आरक्षण में यहां अनुसूचित जाती महिला, ओबीसी महिला, जनरल महिला व जनरल सीट है। इस पैनल में मराठी व सिंधी समाज के ज्यादातर मतदाता रहते हैं। इस पैनल पर पूरी तरह शिवसेना का कब्जा था लेकिन धनंजय बोडारे द्वारा उबाठा के बाद अब भाजपा में प्रवेश करने से अब शिवसेना यहां सेंधमारी करके बोडारे के हाथ से यह पैनल लेगी या नहीं यह देखने वाली बात होगी। भाजपा व राकांपा भी यहां पर दोनों की लड़ाई में हाथ धोएगी। इस पैनल में भरपूर समस्याएं हैं जिसमें पानी, सफाई व रास्ते प्रमुख हैं। यहां पर मुकाबला दिलचस्प होगा।

पैनल 15	
कुल मतदाता	24,603
पुरुष मतदाता	12,761
महिला मतदाता	11,840

कॉन्सर्ट कंट्रोवर्सी पर भड़कीं तारा सुतारिया

- कहा- झूठ-चालाकी, पैसे देकर किए गए पीआर कैंपेन हमें डरा नहीं सकते
- बॉयफ्रेंड वीर पहाड़िया ने भी दी सफाई

बॉलीवुड एक्ट्रेस, पॉपुलर सिंगर एपी ढिल्लन के कॉन्सर्ट से विवादों में आ गईं। दरअसल, तारा सुतारिया एपी ढिल्लन के मुंबई कॉन्सर्ट में बॉयफ्रेंड वीर पहाड़िया के साथ पहुंची थीं। इस दौरान वो मंच पर गईं, जहां सिंगर ने उन्हें गले लगाया और गाल पर किस कर लिया। इस समय एक्ट्रेस असहज नजर आईं।

इसके बाद ही वीर पहाड़िया का एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वो तारा-एपी ढिल्लन को साथ देख नाराज नजर आ रहे थे। वीडियो वायरल होने के बाद तारा सुतारिया की जमकर आलोचना हुई और उनके रिश्ते पर सवाल खड़े किए गए। अब तारा और वीर ने खुद इस विवाद पर भड़कते हुए सफाई दी है।

तारा सुतारिया ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से एपी ढिल्लन के मुंबई कॉन्सर्ट का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वो मंच पर थोड़ी सी दारू गाने पर एपी के साथ थिरकती और उन्हें गले लगाती नजर आई हैं।

इसके साथ ही तारा ने लिखा है, पूरे जोश और गर्व के साथ और हमेशा एक साथ। एपी ढिल्लन फेवरेट। क्या शानदार रात थी। मुंबई, हमारे गाने के लिए इतना सारा प्यार देने के लिए शुक्रिया। आने वाला समय और भी म्यूजिक और खूबसूरत यादों के नाम।

इसके आगे तारा सुतारिया ने विवाद पर रिएक्ट करते हुए लिखा, झूठे नरेटिव, "चालाक एडिटिंग" और पैसे देकर चलाए गए पीआर कैंपेन हमें न तो डरा सकते हैं और न ही हिला सकते हैं। आखिर में प्यार और सच्चाई ही जीतती है।

चुनाव से पहले शिकायत निवारण सेल सक्रिय

- नागरिकों के लिए अलग हेल्पलाइन

ठाणे. मनपा के आम चुनावों को देखते हुए, चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी, निडर और रेगुलर तरीके से कराने के लिए प्रशासन ने एक अलग शिकायत निवारण सेल एक्टिवेट किया है। यह सेल चुनाव के दौरान आने वाली अलग-अलग शिकायतों को तुरंत दूर करने के मकसद से शुरू किया गया है और नागरिक सेल से +91 91528 17252 पर संपर्क करें या tmcelectiongrievance@thanecity.gov.in पर ईमेल करें, यह अपील आयुक्त और चुनाव अधिकारी सौरभ राव ने की है। नागरिक चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन, गैर-कानूनी प्रचार, दीवारों पर पोस्टर-बैनर लगाना, वोटरों पर दबाव डालना, पैसे या सामान का गलत इस्तेमाल, गलत जानकारी फैलाना, वोटिंग प्रक्रिया से जुड़ी समस्याओं के साथ-साथ अधिकारियों और कर्मचारियों के बारे में शिकायतों के लिए इस शिकायत निवारण सेल से संपर्क कर सकते हैं।

मिली हर शिकायत को रिकॉर्ड करके तुरंत जांच की जाएगी और सही कार्रवाई की जाएगी।शिकायत निवारण सेल में ट्रेंड स्टाफ़ नियुक्त किया गया है और संबंधित विभागों, क्षेत्रीय अधिकारियों, पुलिस प्रशासन और चुनाव निर्णय अधिकारियों के साथ तालमेल बिठाकर शिकायतों का समय पर समाधान किया जाएगा।

प्रशासन ने यह भी साफ़ किया है कि शिकायत करने वाले नागरिकों की जानकारी गोपनीय रखी जाएगी और नागरिक बिना डरे शिकायत दर्ज करें।

आम सूचना

मैं श्री वसंत वाल्मिक सांगले सभी को सूचित कर रहा हूं कि बैरक नं. 390, रुम नं. 5, न.भू.क्र. 2266, क्षेत्र 31.10 चौ.मीटर., उल्हासनगर-1. सिटी सर्वे कार्यालय के रिकॉर्ड प्रॉपर्टी कार्ड में शंकरलाल विशीनदास छाप्रु नाम लिखा हुआ है और उप विभागीय अधिकारी, उल्हासनगर-3 के कार्यालय के रिकार्ड में मधु शंकरलाल भगतानी पती स्व. शंकरलाल विशीनदास छाप्रु लिखा हुआ है। मैं यह सूचित कर रहा हूं कि शंकरलाल विशीनदास छाप्रु और शंकरलाल विशीनदास भगतानी यह दोनों एक ही व्यक्ति हैं।

सही/-
श्री वसंत वाल्मिक सांगले

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099